कक्षा 8

पाठ 1- पहरुए सावधान रहना

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों में देशभक्ति की भावना पैदा करना तथा उसका विकास करना।
- भारत के इतिहास से परिचित करवाना
- देश के महान तथा वीर सैनिकों की गौरव गाथा का वर्णन करते हुए छात्रों को उनके विशेष स्थान के बारे में बताना।
- भाषा में विशेष रूप से काव्य में अलंकारों के प्रयोग के बारे में बताना।
- कविता पाठ करना तथा नए शब्दों के अर्थ समझाना

सहायक सामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड

शब्द प्रारूप

- रुग्ण ,इंगित ,सर शब्द, मर्मस्पर्शी

वर्तनी

- वजीफा ,प्रत्युत्तर ,भवर, अस्पष्ट, अंतराल

कार्य विधि

- कविता पाठ करते हुए छात्रों को ताल में कविता पठन सिखाया जाएगा ।कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण तथा उनके अर्थ समझाएं जाएंगे ।देश प्रेम देश के प्रति छात्रों का कर्तव्य, सतर्कता आदि नैतिक मूल्यों से अवगत करवाया जाएगा। छात्रों को समझाया जाएगा कि हमारा देश स्वतंत्र तो हो गया है परंतु इसकी रक्षा का भार अब सभी देशवासियों पर है ।अपने देश की रक्षा के लिए हम सबको सावधान रहना पड़ेगा ।शत्रु का डर हमेशा रहेगा।

सह शैक्षिक गतिविधि

- कविता को गीत के रूप में प्रस्तुत करते हुए छात्र संगीत की गायन कला से अवगत होंगे।
- सुर तथा ताल का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- इस माध्यम से छात्र संगीत से जुड़ेंगे।
- 'भारतीय एकता में बाधक तत्व' इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा करवाई जाएगी।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- कविता के माध्यम से छात्र संगीत, इतिहास तथा भारत की भौगोलिक विशेषताओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे ।

संसाधन

- संगीत का कमरा ,तबला ,पाठ्य पुस्तक

छात्र सहभागिता

- छात्र कविता पाठ करेंगे तथा अपने मन में उठने वाले प्रश्न अध्यापिका से पूछेंगे।
- छात्र कविता को एक गीत की तरह प्रस्तुत करने का प्रयास करेंगे।

- *<u>'भारतीय एकता में बाधक तत्व 'विषय</u>* पर चर्चा करवाई जाएगी और छात्र उस में भाग लेंगे ।

पुनरावृति

- कवि देशवासियों को सावधान रहने के लिए क्यों कहता है ?
- अगर आज हमारा भारत गुलाम होता तो हमारा जीवन कैसा होता?
- हमारे देश पर किस का खतरा मंडरा रहा है?
- समस्त दिशाएं खुलने का क्या तात्पर्य है?

सीखने के प्रतिफल

- छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होगी।
- उन्हें कठिन शब्दों के अर्थ समझ आने शुरू हो जाएंगे और उन से वाक्य बनाना भी सीख जाएंगे।
- देश की सुरक्षा से संबंधित समस्याओं को जान पाएंगे।
- कविता को ताल और लय के साथ पढ़ना सीख जाएंगे।
- कविता के भाव को ग्रहण करके कविता से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

- कक्षा परीक्षा ,कार्य पत्रिका , मौखिक कथा लिखित रूप से मूल्यांकन किया जाएगा।
- छात्रों की अभिव्यक्ति को भी परखा जाएगा
- मौखिक अभिव्यक्ति को परखते हुए छात्रों के उच्चारण का मूल्यांकन भी किया जाएगा।

पाठ 2
साए

शिक्षण उद्देश्य

- एक सच्चे मित्र की मित्रता के बारे में बताना ।
- मित्र को दिया गया वचन निभाने के लिए प्रेरित करना ।
- छात्रों को यह समझाना कि सच्चा मित्र अनमोल धन के समान होता है ।
- शब्द ज्ञान में वृद्धि करना, पाठ में प्रयुक्त शैली समझाना ।
- पाठ का भावार्थ ग्रहण करने में सक्षम बनाना ।
- नए शब्दों के अर्थ समझाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- आपके कितने मित्र हैं?
- सच्चे मित्र की पहचान कैसे होती है ?
- क्या आप कृष्ण और सुदामा की मित्रता के बारे में जानते हैं?

- छात्रों के पूर्व ज्ञान का परिचय लेते हुए विषय को उद्घाटित किया जाएगा।

शब्दावली

- असमंजस ,सुदूर, प्रत्युत्तर ,दुविधा

वर्तनी

- अदृश्य, आप्रवासी, समाप्त ,विस्तृत

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- श्यामपट्ट ,चौक, पाठ्यपुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड ,नाट्य मंचन ,कहानी सुनना और सुनाना।

शिक्षण कार्य विधि

- छात्रों द्वारा पाठ का पठन करवाते हुए उनको कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे और उनको शुद्ध उच्चारण का ज्ञान भी करवाया जाएगा ।पाठ को छात्रों के जीवन के साथ जोड़ते हुए उन्हें सच्ची मित्रता का महत्व समझाया जाएगा ।छात्रों को पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए प्रेरित किया जाएगा ।नाट्य मंचन के द्वारा पाठ को समझाने का प्रयास किया जाएगा। दो मित्रों की कहानी को आकर्षित ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधियां

- छात्र मित्रता संबंधी किसी अन्य कहानी को कक्षा में नाटक के रूप में प्रस्तुत करेंगे
- पाठ्य पुस्तक में पढ़ी गई कहानी को भी नाटक के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेंगे
- मित्रता से संबंधित कोई कहानी सुनाएंगे
- इस प्रकार छात्र नाटक में अभिनय करना तथा कहानी सुनाना सीख जाएंगे

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- इतिहास, भूगोल ,तथा नाटक की कला से परिचित होंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र ने शब्दों के अर्थ ग्रहण करेंगे तथा उनसे नए वाक्य बनाएंगे।
- पाठ के साथ जोड़ते हुए एक नई कहानी का सृजन करने का प्रयास करेंगे।
- नाटक में अभिनय करेंगे।

संसाधन

- पुस्तकालय, गूगल

पुनरावृति

- कहानी किस जीवन मूल्य पर आधारित है?
- अज्जू कैसा लड़का था और वह अपने पिता से मिलने क्यों गया?
- कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

सीखने के प्रतिफल

- छात्रों के शब्द ज्ञान में वृद्धि होगी
- कहानी बनाना तथा उसका नाटक रूप में प्रस्तुत करना सीखेंगे।
- नए शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना सीखेंगे ।
- मित्रता का महत्व समझते हुए एक सच्चा मित्र बनने के लिए प्रेरित होंगे ।
- शब्दों को शुद्ध रूप में बोलना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

- छात्रों के मूल्यांकन के लिए अलग-अलग माध्यमों का सहारा लिया जाएगा।
- लिखित तथा मौखिक कक्षा परीक्षा।
- कार्य पत्रिका।
- अभ्यास के प्रश्न -उत्तर, खाली स्थान भरना आदि।
- इन सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ 3
मेरी साहसिक यात्रा

शिक्षण उद्देश्य
- छात्रों को जीवन में उत्पन्न चुनौतियों का साहस और हिम्मत से सामना करने के बारे में जानकारी देना।
- चुनौतियों का डटकर सामना करना सिखाना।
- शब्द ज्ञान में वृद्धि करना।
- शुद्ध पठन सिखाते हुए पाठ में प्रयुक्त शब्दावली आदि का ज्ञान प्रदान करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा
- आपको कौन सा खेल पसंद है?
- अमेरिका में दास प्रथा का उन्मूलन कब हुआ?
- इंग्लैंड किस महादेश में स्थित है?

शब्दावली
- नाविक, विद्रोह ,मुनाफा ,द्वीप

वर्तनी
- मुक्त, रॉबिंसन, क्रूसो, कप्तान

सहायक सामग्री तथा पद्धति
- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड ,श्यामपट्ट, चौक, श्रव्य दृश्य सीडी वार्तालाप, परिचर्चा आदि

शिक्षण कार्य विधि
- पाठ का पठन करवाते हुए छात्रों को समझायाजाएगा की जीवन संघर्ष का ही दूसरा नाम है। जीवन में प्रतिपल उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करना चाहिए ।इस पाठ में रॉबिंसन क्रूसो की पहली समुद्री यात्रा का वर्णन करते हुए बताया गया है कि किस प्रकार उसने अपने रास्ते में आने वाली हर मुसीबत का निडरता और बहादुरी से सामना किया।
- छात्रों को उनकी किसी यादगार घटना के बारे में सहपाठियों को बताने के लिए कहा जाएगा इससे उनमें अपनी बात कहने का साहस उत्पन्न होगा
- उन्हें यादगार घटना अथवा यात्रा वृत्तांत को लिखना भी सिखाया जाएग।

सह शैक्षिक गतिविधि
- परिचर्चा तथा वार्तालाप-छात्र अपने जीवन की किसी यादगार घटना के बारे में बताएंगे जो कभी भूल नहीं सकते।

- इस माध्यम से छात्र भाषा की संस्मरण तथा यात्रा वृतांत की विधा से परिचित होंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्र पाठ के माध्यम से कंप्यूटर विज्ञान ,इतिहास ,भूगोल तथा मनोविज्ञान से जुड़ते हुए इन सभी विषयों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

संसाधन

- पीपीटी ,विकीपीडिया, एक्स्ट्रा मार्क्स, पुस्तकालय आदि।

छात्र सहभागिता

- शब्दों का अर्थ समझते हुए रॉबिंसन क्रूसो के व्यक्तित्व के बारे में जानेंगे।
- अपने जीवन से जुड़ी किसी यादगार घटना अथवा यात्रा के बारे में बताएंगे।

पुनरावृति

- क्रूसो का जन्म कहां और कब हुआ?
- रॉबिंसन किसके साथ गुयाना गए?
- आपको इस पाठ से क्या प्रेरणा मिलती है?

शिक्षण के प्रतिफल

- वाचन कला में सुधार होगा।
- छात्र यात्रा अथवा घट ना का वर्णन करना सीखेंगे।
- छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति में सुधार होगा।

- **मूल्यांकन**
- कार्य पत्रिका ,मौखिक तथा लिखित प्रश्नावली, कक्षा परीक्षा आदि माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

- वार्तालाप तथा परिचर्चा द्वारा छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति तथा उनके उच्चारण का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ-

मैं हूं उनके साथ खड़ी

शिक्षण उद्देश्य--

- स्वाभिमान आत्मविश्वास, कर्म शीलता आदि नैतिक मूल्यों से अवगत करवाना।
- भाग्यवादी ना बनने के लिए प्रेरित करना।
- शब्द ज्ञान में वृद्धि करना तथा उच्चारण में शुद्धता लाना।
- कविता में तुकांत शब्दों का महत्व बताना तथा वीर रस से अवगत करवाना।
- कविता को ताल -तथा लय के साथ पढ़ना सिखाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा-

- क्या आप अपना न्यायोचित अधिकार छोड़ते हैं ?यदि हां तो क्यों?

- क्या आप जानते हैं कि कवि हरिवंश राय बच्चन किस प्रसिद्ध अभिनेता के पिता हैं?

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- पाठ्यपुस्तक ,श्यामपट्ट ,चौक श्रव्य दृश्य सीडी ,अखबार रसाले पुरानी पाठ्य पुस्तकें, गूगल तथा पुस्तकालय आदि।

शब्दावली-

- उद्गार विचार ,घोषित ,आतताई, शमशीर

वर्तनी

- अतिथियों ,उद्गार ,विपक्ष

कार्यप्रणाली-

- कविता का पठन करते हुए कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण तथा अर्थ बताया जाएगा।छात्रों को कविता के माध्यम से समझाया जाएगा कि अपना न्यायोचित अधिकार कभी नहीं त्यागना चाहिए।सिर झुका कर अत्याचार सहन नहीं करना चाहिए ।अपने विचारों को निडरता से व्यक्त करना चाहिए।जो अन्याय का विरोध करते हैं किस्मत भी उन्हीं का साथ देती है। वह लोग जो निर्दोषों पर कभी अत्याचार नहीं करते समाज में हमेशा सम्मान पाते हैं ।जो लोग नक्षत्र आदि देखकर अपने कार्य नहीं करते बल्कि अपने श्रम से अपनी तकदीर बनाने में विश्वास रखते हैं नियति हमेशा उनका साथ देती है।

सहशैक्षिक गतिविधि-

- छात्र भारत के महान लोगों तथा वीरों के चित्र एकत्रित करके एक समुचित चित्रकला बनाएंगे और आत्मसम्मान का महत्व समझने का प्रयास करेंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- समुचित चित्रकला बनाते हुए चित्रकला ,इतिहास आदि विषयों से जुड़ेंगे

छात्र सहभागिता-

- **कविता** पठन करके कठिन शब्दों के अर्थ ग्रहण करेंगे।
- ।भारत के वीर और महान लोगों के चित्र एकत्रित करके समुचित चित्रकला बनाएंगे ताकि आत्मसम्मान का महत्व समझ सकें।

पुनरावृति-

- कैसे लोगों का सम्मान होता है ?
- तकदीर किस का साथ देती है ?
- यह कविता आपको कैसी लगी?

सीखने के प्रतिफल-

- अपने मार्ग स्वयं प्रशस्त करने का महत्व समझेंगे।
- अन्याय ना सहने का गुण धारण करेंगे।
- कविता को ताल और लय के साथ पढ़ना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन-

- प्रश्नोत्तर ,शब्द अर्थ ,कार्य पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,मौखिक और लिखित प्रश्न उत्तर
- इन सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ 5
भिखारिन

शिक्षण उद्देश्य-
- समाज में फैली असमानता तथा भीख मांगना जैसी बुराइयों से अवगत करवाना ।
- इंसानियत तथा दया जैसे गुणों के बारे में बताना ।
- उदारता का महत्व समझाना ।
- ईमानदारी तथा बेईमानी में अंतर समझाना ।
- पठन ,उच्चारण तथा लेखन कला का विकास करना ।
- नाटक करने की कला से अवगत करवाना।
- लिंग, सर्वनाम , तथा संज्ञा जैसी व्याकरणिक इकाइयों से अवगत करवाना।

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- -पाठ्यपुस्तक ,श्यामपट्ट ,चौक ,झाड़न,स्मार्ट बोर्ड ,स्वरचित कविता पाठ

पूर्व ज्ञान परीक्षा-
- क्या आपने कभी किसी भिखारी को भीख मांगते हुए देखा है?
- भिक्षावृत्ति उचित है या अनुचित?
- क्या आपने रविंद्र नाथ जी की कोई अन्य रचना प है?

शब्द प्रारूप-
- संग्रह ,भिखारिन ,पुत्र मोह ,अमानत ,सेवा सुश्रुषा

वर्तनी-
- संध्या, प्रतिदिन ,सेवा सुश्रुषा

कार्यप्रणाली-
- छात्रों द्वारा पाठ का पठन करवाया जाएगा ।उनके शुद्ध उच्चारण का विशेष ध्यान रखा जाएगा। छात्रों को पाठ के माध्यम से समझाया जाएगा कि अपने कार्यों से एक भिखारी भी दाता बन जाता है और एक दाता भिखारी। पाठ में एक ऐसी भिखारिन से परिचित करवाया गया है जो भिक्षा मांग कर अपना पेट भर्ती है और एक अनाथ बच्चे का पालन पोषण एक मां की तरह करते हुए उसके लिए धन इकट्ठा करती है। यह जानने के बाद कि वह बच्चा उसे धोखा देने वाले व्यक्ति का पुत्र है अपने मां होने के गुण को लेकर उसके प्राणों की रक्षा करती है।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण-

- मनोविज्ञान तथा सामाजिक शिक्षा आदि विषयों से जुड़ेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- -पढ़ी गई कहानी में कुछ परिवर्तन करके उसे नाटक के रूप में कक्षा में प्रस्तुत किया जाएगा।
- भिक्षावृत्ति पर स्वरचित कविता का पठन करवाया जाएगा।
- भिक्षावृत्ति पर कक्षा में परिचर्चा भी करवाई जाएगी।

संसाधन-
- एक्स्ट्रा मार्क्स, यूट्यूब, गूगल तथा छात्रों की रचनात्मक सोच।

छात्र सहभागिता-
- छात्र पाठ का पठन करते हुए नए शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा उनका वाक्य प्रयोग सीखेंगे।
- भिक्षावृत्ति पर कविता लिखकर उसका पठन कक्षा में करेंगे
- भिक्षावृत्ति पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

पुनरावृति-
- भिखारिन कहां रहती थी?
- उसने अपना धन कहां छुपा रखा था?
- अनाथ बच्चा असल में किसका पुत्र था?
- धनी व्यक्ति असल में कैसा था?
- पाठ से आपने क्या सीखा?

सीखने के प्रतिफल-
- छात्र अपने भावों को कविता के रूप में व्यक्त करना सीख जाएंगे।
- समाज में फैली बेईमानी जैसी बुराई से परिचित होंगे।
- ईमानदारी का महत्व समझेंगे।
- नाटक तथा कविता पठन सीखेंगे।

मूल्यांकन-
- कक्षा परीक्षा, कार्य पत्रिका ,मौखिक तथा लिखित प्रश्नोत्तरी ,अभ्यास पत्रिका आदि माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
- परिचर्चा तथा कविता पाठ के माध्यम से छात्रों के उच्चारण का भी मूल्यांकन होगा।

पाठ
पाठ-फांसी से पहले

शिक्षण उद्देश्य
- --देश पर प्राण न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों के जीवन के अंतिम क्षणों के बारे में जानकारी देना।
- मातृभूमि की रक्षा करने से मिलने वाले सुख का आभास करवाना।
- शब्द ज्ञान बढ़ाना पत्र लेखन तथा भावों को व्यक्त करना सिखाना।
- पाठ को भावपूर्ण ढंग से पढ़ना सिखाना तथा उसका मूल भाव ग्रहण करने में छात्रों को सक्षम बनाना।
- पठन तथा लेखन कला का विकास करना ।
- भाषा के उच्चारण में शुद्धता लाना।

शब्द प्रारूप-

- निकृष्टतम ,हयाती ,अभियोग, संयोगवश

वर्तनी-

- निराश्रित, इम्तिहान ,आरजू, अध्यादेश ,निकृष्टतम

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- -श्यामपट्ट ,झाड़न पाठ्यपुस्तक, दृश्य श्रव्य सामग्री wikipedia.com वार्तालाप
- भूमिका निभाना

पूर्व ज्ञान परीक्षा-

- आप किन-किन शहीदों के नाम जानते हैं?
- क्या आपको पता है कि भगत सिंह के साथ किस किस को फांसी की सजा दी गई थी?
- क्या आपने कभी बटुकेश्वर दत्त का नाम सुना है?
- क्रांतिकारियों के बारे में सुनकर आपको कैसा लगता है?

कार्यप्रणाली

- -छात्रों द्वारा पाठ का पठन करवाते हुए उन्हें कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे ।पाठ का पठन करते समय छात्रों के उच्चारण तथा भावों का विशेष ध्यान रखा जाएगा ।छात्रों को भगत सिंह तथा उनके साथियों द्वारा लिखे गए पत्रों के बारे में बताया जाएगा कि मरने से पहले उनकी क्या इच्छा थी ?वह किस तरह की मृत्यु पाना चाहते थे ?पाठ का मूल भाव समझाते हुए बताया जाएगा कि क्रांतिकारियों ने बिना किसी बात की चिंता किए अपने प्राणों की आहुति दे दी ताकि देश को आजाद करवाया जा सके।

सह शैक्षिक गतिविधि--

- छात्रों को भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों तथा क्रांतिकारियों में बताया जाएगा तथा उन्हें अपनी इच्छा के अनुसार किसी एक क्रांतिकारी की भूमिका निभाकर कक्षा के अन्य छात्रों को उनके व्यक्तित्व से अवगत करवाने के लिए कहा जाएगा।
- 'आज का भारत विषय' पर वाद विवाद भी करवाया जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण-

- -पाठ का पठन करते हुए छात्र इतिहास ,मनोविज्ञान ,कंप्यूटर विज्ञान तथा कला जैसे विषयों से जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता-

- छात्र अपनी इच्छा से चुने गए किसी एक क्रांतिकारी के बारे में जानेंगे तथा उनकी भूमिका निभाने का प्रयास करेंगे।
- दिए गए विषय पर वाद-विवाद में हिस्सा लेंगे।
- पाठ का पठन कथा श्रवण करने के पश्चात प्रश्नों के उत्तर देंगे।तथा नए शब्दों के अर्थ ग्रहण करेंगे।
- पाठ का मूल भाव समझेंगे।

पुनरावृति--

- भगत सिंह किस जेल में बंद थे?
- भगत सिंह तथा उनके साथियों को फांसी क्यों दी गई और कब दी गई?
- आपको यह पाठ कैसा लगा और आपको इस पाठ के पठन से क्या शिक्षा मिली?

सीखने के प्रतिफल-

- -छात्र भारत के महान क्रांतिकारियों के बारे में जान जाएंगे।
- वे क्रांतिकारियों की भूमिका निभाते हुए देश प्रेम की भावना को ग्रहण कर सकेंगे।
- पठन तथा लेखन कला का विकास होगा।
- उच्चारण में शुद्धता आएगी।
- छात्र पत्र लेखन भी सीख जाएंगे।

मूल्यांकन--

- कक्षा परीक्षा, कार्य पत्रिका ,अभ्यास पत्रिका, पाठ्य पुस्तक में दिए गए प्रश्न उत्तर मौखिक तथा लिखित प्रश्नावली
- पत्र लेखन
- उपर्युक्त सभी माध्यमों से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा

विषय व्याकरण
उप विषय- प्रत्यय
शिक्षण उद्देश्य

- भाषा ज्ञान में वृद्धि करना ,शब्द ज्ञान बढ़ाना तथा व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- व्याकरणिक इकाई प्रत्यय का ज्ञान प्रदान करना तथा दैनिक जीवन में उसका उपयोग बताना ।
- नए शब्दों का निर्माण करना सिखाना।

शब्द प्रारूप

- संगीतकार ,राष्ट्रीय ,हवलदार, सुखी ,दिखावा।

वर्तनी

- गंभीरता, गहराई ,व्यवहारिकता ,बुलावा।

सहायक सामग्री पद्धति तथा संसाधन

- व्याकरण की पुस्तक, श्यामपट्ट ,जाडन ,चौक ,स्मार्ट बोर्ड एक्स्ट्रा मार्क्स, अखबार आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- विशुद्ध शब्द किस शब्द से बना है?
- शब्द के आगे लगने वाले शब्दांश को क्या कहते हैं?
- दुकानदार शब्द में कौन कौन से शब्द जुड़े हैं?
- शब्द के पीछे भी क्या शब्दांश जुड़ते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि प्रत्यय किसे कहते हैं?

कार्यप्रणाली

- छात्रों को प्रत्यय का अर्थ समझाते हुए बताया जाएगा कि जो शब्दांश किसी मूल शब्द के पीछे जुड़कर एक नए शब्द का निर्माण करते हैं उन्हें प्रत्यय कहते हैं। जैसे -समाज+इक=सामाजिकयहां पर समाज मूल

शब्द है तथा इक प्रत्यय है ।प्रत्यय के दो भेद हैं - प्रत्यय तथा तद्धित प्रत्यय प्रत्यय की भेदो की जानकारी देते हुए प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए शब्द बनाना सिखाया जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को फ्लैश कार्ड के माध्यम से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग अलग करना तथा प्रत्यय के प्रयोग से नए शब्द बनाना सिखाया जाएगा।
- छात्र अपनी इच्छा के अनुसार अलग-अलग तरह के फ्लैश कार्ड बनाएंगे और कला से जुड़ेंगे।
- विषय को अच्छी तरह से समझाने के लिए मूल शब्द को इंजन के रूप में तथा प्रत्यय के योग से बने शब्दों को उस गाड़ी के अन्य डिब्बों के रूप में दिखाया जाएगा।
- इस गतिविधि द्वारा छात्र विषय को अच्छी तरह से समझ पाएंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- चित्रकला का विकास होगा इतिहास ,भूगोल, विज्ञान मनोविज्ञान ,गणित आदि विषयों से संबंधित शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता

- प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए नए शब्द बनाएंगे ।
- शिक्षण के लिए की गई गतिविधि में उत्साह पूर्वक भाग लेंगे।
- अखबार अथवा अपनी पुरानी किताबों में से ऐसे शब्द ढूंढेंगे जो प्रत्यय के योग से बने हैं ।

पुनरावृति

- 'आश्रित 'शब्द में प्रत्यय क्या है ?
- 'प्रकाशमान 'मैं मूल शब्द क्या है ?

- क्या आप प्रत्यय का प्रयोग करके कुछ नए शब्दों का निर्माण करना सीख गए हैं?

सीखने के प्रतिफल

- छात्र नए शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
- प्रत्यय का प्रयोग करके नए शब्द बनाना सीख जाएंगे
- शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय की पहचान करना सीख लेंगे ।
- व्याकरण संबंधी दिलचस्पी बढ़ेगी

मूल्यांकन

- कार्य पत्रिका, अभ्यास पत्रिका, मौखिक तथा लिखित प्रश्न उत्तर
- उपर्युक्त माध्यमों का प्रयोग करते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ -अल्बर्ट आइंस्टीन

शिक्षण उद्देश्य

- महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के जीवन से छात्रों को परिचित कराना ।
- ज्ञान से परिपूर्ण मस्तिष्क का सही दिशा में और सार्थक उपयोग करना सिखाना ।

- शब्द ज्ञान बढ़ाना ,उच्चारण में तथा पठान में शुद्धता लाना ।
- पाठ का भावार्थ ग्रहण करने में छात्रों को सक्षम बनाना।

शब्द प्रारूप

- दस्तावेज ,अभूतपूर्व ,आकांक्षा ,असीम ,अनुसंधान

वर्तनी

- ब्रह्मांड, सिद्धांत ,सापेक्षता, निर्वाह

सहायक सामग्री तथा पद्धति।

- पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट ,झाड़न ,स्मार्ट बोर्ड ,यूट्यूब, गूगल डॉट कॉम, समुचित चित्रकला, परिचर्चा

कार्यप्रणाली

- उप विषय से जोड़ते हुए छात्रों द्वारा पाठ का पठन करवाया जाएगा तथा पाठ की व्याख्या की जाएगी ।उनके उच्चारण तथा हावभाव का विशेष ध्यान रखा जाएगा।विज्ञान में छात्रों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए पाठ से संबंधित बातों की व्याख्या की जाएगी ।कठिन शब्दों तथा वाक्यों के अर्थ समझाएं जाएंगे। आपअल्बर्ट आइंस्टीन के जीवन से जुड़ी हुई घटनाओं तथा उनके जन्म आदि के बारे में बताया जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को अलग-अलग वैज्ञानिकों के चित्र तथा उनकेआविष्कारों के बारे में जानकारी एकत्रित करके एक समुचित चित्रकला बनाने के लिए कहा जाएगा।
- इस कार्य के लिए छात्र अलग-अलग साधनों का प्रयोग करेंगे
- 'हमारे जीवन में विज्ञान का महत्व' इस विषय पर परिचर्चा करवाई जाएगी।
- परिचर्चा में छात्र अलग-अलग वैज्ञानिकों के आविष्कारों के बारे में बताएंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्र समुचित चित्रकला बनाते हुए कला से जुड़ेंगे।विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान ,मनोविज्ञान तथा इतिहास से जुड़ेंगे।
- पाठ के माध्यम से तथा गतिविधि की सहायता से छात्रों को उप विषय अच्छी तरह समझाने का प्रयास किया जाएगा।

छात्र सहभागिता

- छात्र उत्साह पूर्ण ढंग से पाठ का पठन करेंगे ।
- परिचर्चा में भाग लेंगे तथा समुचित चित्रकला का निर्माण करेंगे।
- मूल्यांकन के लिए दिया गया कार्य भी करेंगे।

पुनरावृति

- इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी कहां है ?
- अल्बर्ट आइंस्टीन का जन्म कहां हुआ?
- हिरोशिमा किस देश में स्थित है ?

- अल्बर्ट आइंस्टीन का जन्म कैसे परिवार में हुआ था?

सीखने के प्रतिफल

- छात्र कुछ वैज्ञानिकों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर लेंगे।
- अपने दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व को महसूस करेंगे।
- महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के जीवन के कुछ पहलुओं से अवगत होंगे ।
- मौखिक अभिव्यक्ति के विकास के साथ-साथ चित्रकला का भी विकास होगा।

मूल्यांकन

- मौखिक तथा लिखित प्रश्नावली ,कार्य पत्रिका अभ्यास के प्रश्न -उत्तर ,शब्द -अर्थ ,वाक्य बनाओ, पुस्तक में पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास कार्य को पूरा करना ।
- इन सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

उप विषय

संवाद लेखन

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को आपस में बातचीत करने का सही ढंग सिखाना।
- संवादों को सही ढंग से बोलना तथा लिखना सिखाना भाषा में रुचि उत्पन्न करना।
- व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- लेखन कला में सुधार करना।
- रचनात्मक कला का विकास करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप अपनी माता-पिता क्या मित्रों से बातचीत करते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि एक व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन को क्या कहते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि किसी के बीच की बातचीत को लिखा कैसे जाता है?

सहायक सामग्री

- व्याकरण की पुस्तक, कुछ छात्र ,स्मार्ट बोर्ड, एक कहानी की किताब।

पद्धति

- संवाद प्रतियोगिता
- किसी कहानी को संवाद के रूप में प्रस्तुत करना।

शिक्षण कार्य

- छात्रों को संवाद लेखन का सही ढंग बताते हुए कुछ विषय देकर संवाद लिखने के लिए कहा जाएगा उन्हें बताया जाएगा कि संवाद लेखन में विराम चिन्हों का भी विशेष महत्व होता है ।उन्हें समझाया जाएगा कि एक व्यक्ति द्वारा कहा गया कथन संवाद कहलाता है। संवाद हमेशा दो या दो से अधिक लोगों में होता है। संवाद छोटे तथा स्पष्ट होने चाहिए।भाषा के नियमों का पूर्ण रुप से ध्यान रखा जाना चाहिए।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- कहानी तथा अकबर और बीरबल के किस्सों के द्वारा छात्र इतिहास के विषय से जुड़ेंगे।
- सामाजिक समस्याओं की चर्चा करते समय वह सामाजिक विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र दिए गए विषयों पर संवाद लिखेंगे
- अपनी मनपसंद कहानी को संवाद के रुप में प्रस्तुत करेंगे।
- संवाद को लिखने का सही ढंग समझेंगे।
- भाषा में संवाद लेखन का महत्व जानेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को किसी विषय पर संवाद के रूप में उनके विचार कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा
- छात्र पत्र के अनुसार संवाद बोलेंगे।
- कोई कहानी पढ़कर उसे संवाद के रूप में परिवर्तित करके लिखने तथा कक्षा में उसे प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।छात्र इसे व्यवहारिक रूप में कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।
- विषय में रोचकता लाने के लिए अकबर तथा बीरबल के किसी एक किस्से को संवाद के रूप में कक्षा में छात्रों द्वारा प्रस्तुत करवाया जाएगा।

पुनरावृति

- संवाद कितने लोगों में होता है ?
- संवाद में कौन से गुण होने चाहिए?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्रों की लेखन तथा रचनात्मक कला का विकास होगा।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
- छात्र सही ढंग से संवाद लिखना तथा बोलना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास कार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा और परखा जाएगा कि उन्हें संवाद लिखना सही ढंग से आया है या नहीं।

उप विषय- सर्वनाम

शिक्षण उद्देश्य

- सर्वनाम की पहचान प्रयोग तथा भेदो की जानकारी प्रदान करना ।
- सर्वनाम शब्दों की वह रचना की जानकारी प्रदान करना ।।
- भाषाई कौशलों का विकास करना भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी तथा प्रयोग पर बल देना ।
- सर्वनाम पर आधारित विविध अभ्यास करवाना ।
- दैनिक जीवन में सर्वनाम के उचित प्रयोग को सुदृढ़ करना।

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- श्यामपट्ट ,चौक ,डस्टर ,पुस्तक ,सीडी प्रोजेक्ट ,कंप्यूटर आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप जानते हैं कि संज्ञा के स्थान पर भी कुछ और शब्द प्रयोग किए जाते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि उन शब्दों को क्या कहते हैं ?
- क्या आप ऐसे कुछ शब्दों का उदाहरण दे सकते हैं?

कार्यप्रणाली

- स्मार्ट बोर्ड पर विषय को दिखाकर छात्रों को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहा जाएगा ।छात्रों को समझाया जाएगा की संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है ,उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।जैसे - तुम, हमारा ,हमने ,वह ,कोई ,कुछ आदि। सर्वनाम के 6 भेद हैं -निश्चयवाचक ,निश्चयवाचक, पुरुषवाचक, निजवाचक ,प्रश्नवाचक तथा संबंध वाचक। सर्वनाम के सभी भेद उदाहरण सहित समझाएं जाएंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्र चित्रकला के साथ जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता

- कक्षा में समझाए जाने वाले विषय को ध्यान पूर्वक सुनेंगे और समझेंगे ।
- हिंदी भाषा में सर्वनाम का सही प्रयोग सीखेंगे ।सर्वनाम के प्रयोग की आवश्यकता को जानेंगे
- विषय संबंधी करवाई जा रही गतिविधि में उत्साह पूर्ण भाग लेंगे और अभ्यास कार्य करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- अध्यापिका कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर अलग-अलग सर्वनाम शब्द लिखकर एक डिब्बे में डालकर मेज पर रखेगी और छात्रों को बारी-बारी से बुलाकर एक एक टुकड़ा उठाने के लिए कहेगी।कक्षा के अन्य छात्र उस कागज़ के टुकड़े पर लिखे गए सर्वनाम शब्द के भेद की पहचान करने का प्रयास करेंगे।कक्षा के छात्रों में सर्वनाम के वेदों के अनुसार वर्गों में बांट दिया जाएगा और छात्र बताएंगे के चुना गया सर्वनाम शब्द किस वर्ग में आएगा।

पुनरावृति

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द क्या कहलाते हैं ?
- सर्वनाम के कितने भेद हैं ?
- अपना काम स्वयं करो।- इस वाक्य में किस सर्वनाम शब्द का प्रयोग हुआ है?
- आप कब आए ?'आप 'शब्द कौन सा सर्वनाम है?

क्या आप जान गए हैं कि वाक्य में सर्वनाम का प्रयोग क्यों किया जाता है?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हुए भाषा के सौंदर्य को बढ़ाना सीख जाएंगे।
- वे यह भी जान जाएंगे कि भाषा में सर्वनाम शब्दों का क्या महत्व होता है।
- छात्र सर्वनाम के सभी भेद अच्छी तरह से समझ जाएंगे और व्यवहारिक जीवन में उनका प्रयोग करना भी सीख जाएंगे
- छात्र सर्वनाम शब्दों को सरलता से पहचानने और उनका उचित प्रयोग करने लगेंगे
- छात्र सर्वनाम शब्दों को वेदों के अनुसार नामांकित कर सकेंगे

मूल्यांकन

- गतिविधि ,अभ्यास कार्य ,व्याकरण की पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य, कार्य पत्रिका ,अभ्यास पत्रिका आदि माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन करते हुए त्रुटि शोधन किया जाएगा।

उप विषय
विराम चिहन

शिक्षण उद्देश्य

- भाषा में विराम चिन्हों का महत्व समझाना
- वर्तनी तथा वाक्य में अशुद्धि के पहचान करना तथा शोधन करना सिखाना
- भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी तथा प्रयोग पर बल देना
- भाषाई कौशलों का विकास करना
- भाषा में विराम चिन्हों के प्रयोग का महत्व समझाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप 'विराम 'का शाब्दिक अर्थ जानते हैं?
- क्या आप किसी बात को बोलते समय अपने भावों की अभिव्यक्ति के लिए ठहराव या हाव-भाव दिखाते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि वाक्य को लिखते समय ठहराव तथा हाव -भाव व्यक्त करने के लिए कुछ चीजों का प्रयोग किया जाता है।
- क्या आप जानते हैं कि इन तीनों को क्या कहा जाता है?

सहायक सामग्री तथा पद्धति
पुस्तक, फ्लैशकार्ट, दृश्य- श्रव्य ,सामग्री , वर्ग प्रतियोगिता।

शिक्षण कार्य विधि

- छात्रों को समझाया जाएगा कि हम बातचीत करते समय और बात को अच्छी तरह से समझाने के लिए अथवा किसी कथन पर बल देने के लिए कहीं कहीं थोड़ा रुकते हैं। इससे कथन का आशय स्पष्ट करने में सहायता मिलती है ।भाषा के लिखित रूप में भी रुकने अथवा विराम के लिए कुछ संकेत चिन्ह का प्रयोग किया जाता है इन्हीं चिन्हों को विराम चिन्ह कहते हैं।
- लिखित भाषा में रुकने के निर्देश के लिए प्रयोग किए जाने वाले संकेत चिन्ह को विराम चिन्ह कहते हैं
- अलग-अलग जनों के प्रयोग के बारे में उदाहरणों द्वारा समझाया जाएगा ताकि छात्र विराम चिन्हों का प्रयोग करना अच्छी तरह से समझ जाए।

सह शैक्षिक गतिविधि

- कक्षा में छात्रों को दो वर्गों में विभाजित कर दिया जाएगा ।एक वर्ग को फ्लैश कार्ड पर किसी विराम चिन्ह का नाम लिखने के लिए कहा जाएगा तथा दूसरे को उसका चिन्ह बनाने के लिए कहा जाएगा ।जब एक वर्ग का छात्र किसी विराम चिन्ह का नाम फ्लैश कार्ड से दिखाएगा तो दूसरे वर्ग का छात्र उसका चिन्ह दिखाएगा ।इस प्रकार वे चिन्हों के नाम अच्छी तरह याद कर पाएंगे छात्रों को उसी चिन्ह का एक उदाहरण देने के लिए भी कहा जाएगा ।छात्र उस चिन्ह का प्रयोग करते हुए 1 वाक्य श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्र विराम चिन्हों का ज्ञान प्राप्त करते हुए अंग्रेजी तथा पंजाबी विषयों से भी जुड़ेंगे क्योंकि इन दोनों भाषाओं में भी विराम चिन्हों का प्रयोग किया जाता है।

छात्र सहभागिता

- छात्र उप विषय संबंधी दी गई प्रतिनिधि में उत्साह पूर्ण भाग लेंगे और अपनी-अपनी वर्ग को जिताने का प्रयास करेंगे।
- दिए गए अभ्यास कार्य और अभ्यास पत्रिका को अच्छी तरह से पूरा करने का प्रयास करेंगे ।मूल्यांकन के लिए दिया गया कार्य करेंगे।

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र विराम चिन्हों का सही प्रयोग करना सीख जाएंगे।
- वे अपनी बात को विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए अच्छी तरह से स्पष्ट करने में सक्षम हो जाएंगे।
- व्याकरण के प्रति उनकी दिलचस्पी में वृद्धि होगी।
- प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतियोगी बनने की प्रवृत्ति का विकास होगा।

पुनरावृति

- विराम चिन्ह का क्या अर्थ है?
- विराम चिन्ह कितने तरह के होते हैं?
- भाषा में विराम चिन्हों का क्या महत्व है?
- त्रुटि पूरक चिन्ह का प्रयोग कहां किया जाता है?

मूल्यांकन

कार्य पत्रिका, अभ्यास पत्रिका, प्रतियोगिता ,व्याकरण की पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य।
उपर्युक्त सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

उप विषय -लोकोक्तियां

शिक्षण उद्देश्य

- लोकोक्तियों के महत्व से छात्रों को परिचित करवाना उनके अर्थ तथा व्यवहारिक प्रयोग को समझाना।
- भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान प्रदान करना तथा उसके सही प्रयोग पर बल देना।
- भाषाई कौशलों का विकास करना
- पाठ पर आधारित अलग-अलग अभ्यास प्रश्न करवाना।
- रचनात्मकता जागृत करना।

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- श्यामपट्ट ,चौक ,डस्टर ,पुस्तक ,सीडी ,परियोजना कंप्यूटर आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप जानते हैं लोकोक्ति का क्या अर्थ होता है?
- क्या आप कोई लोकोक्ति जानते हैं?
- भाषा में लोकोक्तियों का क्या महत्व होता है?
- क्या आपने पहले लोकोक्तियां याद की है?

शिक्षण कार्य

- छात्रों को उनकी पुस्तक में दी गई लोकोक्तियों के अर्थ समझा कर उनका व्यावहारिक जीवन में उपयोग समझाया जाएगा।छात्रों को समझाया जाएगा कि लोकोक्तियां अपने आप में एक पूरा वाक्य होता है जिसका एक अलग अर्थ होता है।लोकोक्तियों में शब्द कुछ और होते हैं और उनका अर्थ कुछ और होता है।छात्रों को समझाया जाएगा कि लोकोक्तियां भाषा में सौंदर्य पैदा करती हैं और रचना को आकर्षित बनाती हैं।छात्रों को यह भी समझाया जाएगा के लोकोक्ति का शाब्दिक अर्थ होता है लोगों द्वारा कही गई उक्ति।लोकोक्तियां आम भाषा में प्रयोग होते होते एक विशेष अर्थ के रूप में प्रयोग होना शुरू हो जाती हैं।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को पुस्तक में दी गई लोकोक्तियां उनका अर्थ तथा प्रयोग समझा कर उन्हें लोकोक्तियां तथा उनके अर्थ याद करने के लिए कहा जाएगा।छात्र लोकोक्तियों के अर्थ ग्रहण करने के बाद कक्षा में अभिनय के द्वारा एक ऐसी स्थिति प्रस्तुत करेंगे जहां पर किसी विशेष लोकोक्ति का प्रयोग हो रहा हो।
- इस गतिविधि के द्वारा छात्र लोकोक्तियों के अर्थ अच्छी तरह समझ जाएंगे और व्यवहारिक जीवन में लोकोक्तियां का प्रयोग कर पाने में सक्षम होंगे।
-

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्र अभिनय कला तथा सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों से जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र लोकोक्तियों क्यों याद करेंगे उनके अर्थ समझेंगे और दी गई गतिविधि को पूरा करेंगे।
- अध्यापिका द्वारा दिया गया अभ्यास कार्य तथा मूल्यांकन के लिए दिया गया कार्य करेंगे।
- अभिनय करते हुए भाषाई गुणों का विकास करेंगे।

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र व्यवहारिक जीवन में लोकोक्तियों का महत्व जान जाएंगे ।
- भाषा को लोकोक्तियों के प्रयोग द्वारा आकर्षित बनाना सीख जाएंगे ।
- रचनात्मक कला का विकास होगा।।
- अभिनय करना सीख जाएंगे।
- शुद्ध उच्चारण करना सीख जाएंगे।

पुनरावृति

- लोकोक्ति किसे कहते हैं ?
- भाषा में इसका क्या महत्व होता है ?
- लोगों द्वारा कही गई बात को विशेष अर्थ में प्रयोग किया जाना क्या कहलाता है?
- मुहावरे तथा लोकोक्ति में क्या अंतर होता है?
- 'बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद 'लोकोक्ति का क्या अर्थ है?

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कार्य पत्रिका ,पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य, कक्षा परीक्षा, मौखिक प्रश्न -उत्तर लिखित प्रश्न -उत्तर।
- उपर्युक्त सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय हिंदी
उप विषय पदबंध
शिक्षण उद्देश्य

- कक्षा आठ के छात्रों के लिए पदबंध एक नया विषय है इसलिए शब्द को समझाते हुए पद बंद का ज्ञान कराना ।
- एक प्रकार से वाक्य विचार के लगभग सभी विषयों का पुनर अभ्यास कराना ।
- अपने काम के प्रति छात्रों में विश्वास पैदा करना ।
- रचनात्मकता जाग्रत करना।

सहायक सामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, डस्टर ,सी .डी ,प्रोजेक्टर आदि।

पद्धति

- 'जुड़िए और समझिए 'गतिविधि से पाठ का आरंभ करते हुए पदबंध के विषय में बताया जाएगा।

शिक्षण कार्य

- परिभाषा समझाते हुए कुछ उदाहरण दिए जाएंगे। उसके बाद यह बताया जाएगा कि पदबंध का अर्थ क्या है तथा पुस्तक में दी गई जानकारी के माध्यम से यह समझाया जाएगा कि पद्म एवं उपवाक्य की पहचान कैसे की जाती है। विषय छात्रों को भलीभांति समझाने के लिए पाठ की सी सीडी का कक्षा में प्रसारण किया जाएगा ।बीच-बीच में सीडी को रोककर पाठ के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगा ।'आओ दोहराएं' विधि से पाठ के मुख्य बिंदुओं पर बल दिया जाएगा ।छात्रों को समझाया जाएगा कि पदबंध के पांच भेद होते हैं
- संज्ञा पदबंध
- सर्वनाम पदबंध
- विशेषण पदबंध
- क्रिया पदबंध
- क्रिया विशेषण पदबंध
- छात्रों को पदबंध के भेद समझाते हुए पदबंध की और उसके भेद की पहचान करना बताया जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- अलग-अलग विषयों से संबंधित वाक्य उदाहरण के रूप में छात्रों के समक्ष रखे जाएंगे।
- जैसे' धरती का आकार गोल है।'इस वाक्य के माध्यम से छात्र भूगोल से जुड़ेंगे
- 'समाज में रहने वाले सभी प्राणी एक समान है'इस वाक्य से छात्र सामाजिक शिक्षा से जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र दिए गए अभ्यास कार्य को करेंगे।अपनी तरफ से कुछ उदाहरण प्रस्तुत करके अपनी रचनात्मकता मैं सुधार करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि
वर्ग मुकाबला

- छात्रों को दो वर्गों में बांट दिया जाएगा एक वर्ग वाक्य बोलेगा तो दूसरा वर्ग इस वाक्य में पद बंद की पहचान कर उसका भेद भी बताएगाइस प्रकार छात्र वर्ग मुकाबले में भाग लेना सीखेंगे।

पुनरावृति

- पदबंध किसे कहते हैं?
- संज्ञा पदबंध की क्या पहचान होती है?
- क्रिया पदबंध किसे कहते हैं?
- विशेषण पद बंद को आप किस प्रकार पहचानेंगे?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र पदबंध और उसके भेदों की पहचान करना सीख जाएंगे।
- रोचक गतिविधि तथा अभ्यास कार्य द्वारा छात्र अपनी अनुभव की अभिव्यक्ति तथा लेखन क्षमता को दर्शाने का अवसर प्राप्त करेंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास कार्य, वर्ग प्रतियोगिता तथा अन्य गतिविधियों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा

पाठ वाक्य विचार

उप विषय

रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

शिक्षण उद्देश्य

- पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओं पर विशेष रूप से बल देना ।
- वाक्य बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए अथवा उन में कौन-कौन से गुण होने चाहिए इस विषय में समझाना ।
- वाक्य के अंग उद्देश्य तथा विधेय से परिचित करवाना ।
- रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी देना ।
- शुद्ध वाक्य रचना सिखा कर छात्रों को लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ।
- रचनात्मकता जाग्रत करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप जानते हैं कि वाक्य कैसे बनता है ?
- क्या शब्दों के मेल को वाक्य कहा जा सकता है ?
- क्या वाक्यों में पद क्रम का होना जरूरी होता है ?
- क्या वही पद समूह, जिसका कोई अर्थ वाक्य कहलाता है?

सहायक सामग्री

- सीडी ,प्रोजेक्टर, श्यामपट्ट, डस्टर ,चौक कंप्यूटर आदि।

पद्धति

- वाचन कथा श्रवण पद्धति

शिक्षण कार्य

- जुड़िए और समझिए संदर्भ द्वारा उद्देश्य -विधेय की जानकारी दी जाएगी तथा सार्थक -निरर्थक शब्दों की पहचान कराई जाएगी वाक्य की परिभाषा बताते हुए उसके गुण भीड़ तथा उपभेद पर चर्चा की जाएगी ।बीच-बीच में संबंधित उदाहरण देते हुए विषय की पुष्टि की जाएगी पाठ संबंधी सी. डी. का प्रसारण किया जाएगा।अर्थ के आधार पर तथा रचना के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी दी जाएगी।छात्रों को सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में रूपांतरण करना तथा संयुक्त से सरल वाक्य बनाना भी सिखाया जाएगा।अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ वेदों के बारे में भी बताया जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- Sentences के बारे में बताते हुए उप विषय को अंग्रेजी विषय के साथ भी जोड़ा जाएगावातावरण तथा विज्ञान से जुड़े हुए वाक्यों द्वारा छात्रों को विज्ञान तथा वातावरण जैसे विषयों से भी जोड़ा जाएगा।
- जैसे वातावरण में बहुत से तत्व शामिल होते हैं।
- रक्त प्रवाह बढ़ने से बाजार की मृत्यु हो गई।

छात्र सहभागिता

- अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे ।अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शा एंगेअपनी आशंकाओं का निवारण करते हुए उक्त विषय को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करेंगे। विषय संबंधी की दी गई गतिविधि को करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- अभिनय करना
- वाक्य विचार के सभी भेदों को छात्रों में बांट दिया जाएगा और एक अध्यापिका के रूप में अभिनय करते हुए उन्हें कक्षा के अन्य छात्रों को विषय समझाने के लिए कहा जाएगा इससे उनकी दोहराई भी हो जाएगी और वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेंगे।

पुनरावृति

- रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम बताओ।
- क्या हम सरल वाक्य को संयुक्त में बदल सकते हैं?
- राधा नहा कर सो गई का संयुक्त वाक्य क्या होगा?
- 'वह कक्षा में प्रथम आया क्योंकि वह बहुत मेहनती था। 'इस वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र वाक्य और उसके भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे तथा सरल से संयुक्त और संयोग से सरल वाक्य बनाना सीख जाएंगे वह अर्थ के आधार पर वाक्य के आठों भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। छात्र सार्थक वाक्य रचना करने में निपुण हो जाएंगे और वाक्यों को उनके भेदों के आधार पर नामांकित कर सकेंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा , मौखिक तथा लिखित रूप में छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय हिंदी

उप विषय। अलंकार

शिक्षण उद्देश्य

- भाषा में सौंदर्य उत्पन्न करने वाले विशेष तत्वों का ज्ञान कराना।

- अलंकार के विषय में जानकारी देना ।
- अलंकार के विविध रूप एवं उनके उपयोग के विषय में जानकारी देना।
- भाषा में अलंकारों के प्रयोग के महत्व को समझाना
- क्रियात्मक तथा रचनात्मक क्षमता जगाना।

सहायक सामग्री

- विभिन्न काव्य पंक्तियों से सजा चार्ट पेपर, श्यामपट्ट ,चौक ,डस्टर, सी .डी .,प्रोजेक्टर।

पूर्वज्ञान परीक्षा

- आप सुंदर दिखने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं?
- क्या आप अलंकार शब्द का अर्थ जानते हैं?
- क्या आप किसी पर्व पर जाते हुए गहने आदि पहनते हैं?
- पूर्व ज्ञान नहीं होने की वजह से छात्रों को शिक्षक द्वारा स्वयं ही विषय ज्ञान करवाया जाएगा।

पद्धति

- काव्य पंक्तियों का वचन तथा पठन तथा कुछ गीतों का गायन।

शिक्षण कार्य

- अलंकार का शाब्दिक अर्थ समझाते हुए भाषा में उनकी महत्वता समझाई जाएगी तत्पश्चात अलंकार के भी दो शब्द अलंकार तथा अर्थालंकार पर चर्चा की जाएगी ।पाठ का मुखर वाचन करते हुए प्रत्येक भेद के उपदेशों को काव्यात्मक उदाहरणों से समझाया जाएगा। पाठ को रोचक बनाने के लिए बीच-बीच में छात्रों को कुछ गीतों से जोड़ते हुए उन्हें समझाया जाएगा कि इस गीत में कौन से अलंकार का प्रयोग हुआ है।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- उप विषय को गीतों और कविता से जोड़ते हुए छात्रों का संबंध संगीत से जोड़ा जाएगा।इससे छात्रों में विषय की नवीनता का भय खत्म हो जाएगा तथा वे उत्साह पूर्वक कक्षा की गतिविधि में हिस्सा लेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र कक्षा में समझाएंगे उप विषय को अच्छी तरह से समझेंगे और उससे जुड़े हुए अन्य गीतों और कविताओं को भी कक्षा में गाएंगे ।
- उत्साह पूर्वक गतिविधि में भाग लेंगे।
- अभ्यास कार्य करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

उप विषय को गीतों और काव्य गायन के द्वारा संगीत विशेष से जोड़ा जाएगा।

पुनरावृति

- अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
- अलंकार के कितने भेद होते हैं ?
- शब्द अलंकार के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ अलंकार के कितने भेद होते हैं?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र अलंकारों का अर्थ समझ जाएंगे

- अलंकार और उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे।
- अलंकार के भेद उसे अच्छी तरह से अवगत हो जाएंगे।

मूल्यांकन

अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,मौखिक तथा लिखित रूप से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषयवस्तु- व्याकरण प्रकरण - समास

उद्देश्य :- 1.छात्रों को व्याकरण का ज्ञान कराना ।

2. सामासिक शब्दों की पहचान कराना ।

3. भाषा में संक्षिप्तीकरण का ज्ञान कराना ।

4. भाषा को आकर्षक और रोचक बनाना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- यह पूर्वानुमान है कि छात्र वाक्यांशों के लिए एक शब्द बनाना जानते हैं , अतः उनसे पुछा जायेगा –

-'राह के लिए खर्च ' के लिए एक शब्द बताएं ।

-'घुड़दौड़' शब्द में किन दो सम्पूर्ण शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

-'नीलकंठ' शब्द का क्या अर्थ है? यह विशेष तौर से किसके लिए प्रयोग किया जाता है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि ,लिंक --https:/youtu.be/plXGAbMzobu।

कार्य प्रणाली :- छात्रों के समक्ष कुछ शब्द बोल कर उनके अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्हें विग्रह करके बताया जायेगा , जिससे उन्हें पूर्वपद तथा उत्तरपद के बारे में बताते हुए समास ,समस्त पद तथा उनके विग्रह के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा ।इसके पश्चात् स्मार्ट बोर्ड , श्यामपट्ट तथा व्याकरण पुस्तक की सहायता से उन्हें इसके समस्त भेदों की जानकारी दी जाएगी

शब्द समूह	पूर्व पद	उत्तर पद	समस्त पद
हाथ से लिया हुआ	हस्त	लिखित	हस्तलिखित
रसोई के लिए घर	रसोई	घर	रसोईघर
नीला है जो गगन	नील	गगन	नीलगगन
पाँच वटों का समूह	पंच	वटी	पंचवटी
मृत्यु तक	आ	मरण	आमरण

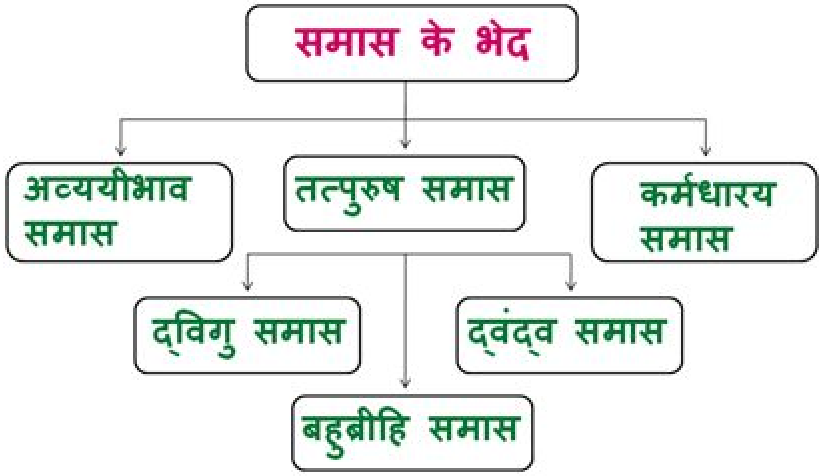

छात्र सहभागिता :- अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को छात्र ध्यान से सुनेंगे तथा उदाहरणों द्वारा ज्ञान की पुष्टि करेंगे । स्वयं लिखित रूप से अभ्यास करेंगे । फ़्लैश कार्ड के माध्यम से छात्र समास के भेड़ों , समस्त पद एवं विग्रह का अभ्यास करेंगे ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :- छात्र किसी पाठ में से चुनकर कुछ समस्तपदों की सूची बनायेंगे तथा उसका समास विग्रह कर उनके भेदों के नाम लिखेंगे ,साथ ही उन्हें खेल खिलाया जायेगा जिसमें छात्रों को समूहों में विभाजित करके विभिन्न भेदों के शब्द बाँट दिए जायेंगे ; अध्यापिका के शब्दांश बोलने पर पूर्वपद तथा उत्तरपद लिए हुए छात्र आगे आएंगे तथा समस्तपद बनायेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- समास के भेदों का चार्ट बनाने तथा उनके चित्र बनाने में उनकी चित्रकला का विकास होगा । इसके अतिरिक्त कंप्यूटर ,कविता लेखन आदि विषयों के ज्ञान के साथ भी जोड़ा जा सकता है ।एक कविता के माध्यम से भी समास के भेड़ों की पहचान करवाई जा सकती है :-

द्वंद्व में और छिपे — **द्विगु में पहला गणना पद आवत है**
बीच में कारक चिह्न छिपे — **तत्पुरुष समास कहावत है**
पहला पद अव्यय,अव्ययी भाव — **बहुव्रीहि में अन्य प्रधानत है**
पहला पद जाने विशेषण है — **कर्मधारय नाम कहावत है**

पुनरावृत्ति :- 1. समस्त पद किसे कहते है ?

2. कर्मधारय तथा बहुव्रीहि में क्या अंतर है?

3. 'यथाशक्ति' शब्द का समास-विग्रह करो

4. जिस समस्तपद का पहला पद संख्यावाची हो, उसे क्या कहते है?

सीखने के प्रतिफल :- छात्र शब्दांशों को एक शब्दों में कहना सीखेंगे । समास के सभी भेदों की पहचान तथा उनके प्रयोग का अभ्यास करेंगे ।

मूल्यांकन :- छात्रों की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए उन्हें गृह कार्य में व्याकरण पुस्तक का अभ्यास कार्य करने को दिया जाएगा ।इसके अतिरिक्त कक्षा में परीक्षा ली जाएगी ।

**विषय		हिंदी**
**उप विषय	अनुस्वार अनुनासिक नुक्ता**
शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को अनुस्वार ,अनुनासिक तथा मुक्ता का सही प्रयोग सिखाना।
- शब्दों को लिखते समय अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का महत्व समझाना।
- व्याकरण संबंधी जानकारी में वृद्धि करना।
- वर्तनी में सुधार करना।
- शब्दों का शुद्ध उच्चारण बताना

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कर सकते हैं जिनको बोलते समय आवाज नाक से निकलती है?
- कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कीजिए चीन को बोलते समय आवास नाक और मुंह दोनों से निकलती है।
- क्या आप जानते हैं कि इन शब्दों को लिखते समय अलग-अलग चिन्हों का प्रयोग किया जाता है?

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- स्मार्टबोर्ड ,श्यामपट्ट ,चौक , व्याकरण पुस्तक यूट्यूब ,गूगल, शब्द प्रतियोगिता

शिक्षण कार्य

- अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता की परिभाषा तथा उनके अर्थ बताते हुए उनके चिन्हों से अवगत करवाया जाएगा ।छात्रों को बताया जाएगा कि अनुस्वार का प्रयोग बिंदी के रूप में ,अनुनासिक का प्रयोग चंद्रबिंदु के रूप में तथा नुक्ता का प्रयोग उर्दू फारसी के शब्दों में पैर में बिंदी के रूप में होता है।जैसे अनुस्वार के शब्द हैं पंडित ,मंदिर शंकर गंगा, पंडित आदि। छात्रों को शब्द देकर उन में उचित स्थान पर अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग करने के लिए कहा जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्रों को अपने आसपास के वातावरण को देखकर या उसका चित्र दिखा कर उसमें से ऐसी चीजें छांटने के लिए कहा जाएगा जिनका नाम लिखते समय अनुस्वार अनुनासिक तथा नुकता का प्रयोग किया जाता है ।अपनी पसंद के अनुसार कोई भी चित्र बना सकते हैं इस प्रकार उन्हें वातावरण के अध्ययन तथा चित्रकला से जोड़ा जाएगा।

छात्र सहभागिता

- छात्र विषय को अच्छी तरह से समझेंगे और विषय से संबंधित दी गई गतिविधि को ध्यान पूर्वक करेंगे।
- अभ्यास कार्य करेंगे और विषय का ज्ञान बढ़ाने के लिए अखबार, मैगजीन या पुरानी किताबों आदि का प्रयोग करते हुए और शब्द ढूंढ लेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को कुछ ऐसी चीजों और जीवो के चित्र बनाने के लिए कहा जाएगा जिनके नाम में अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग हो।

पुनरावृति

- नुक्ता का प्रयोग किस किस अक्षर के साथ होता है?
- अनुनासिक शब्दों का उच्चारण स्थान क्या है?

- अनुस्वार का प्रयोग कब होता है?
- अनुस्वार को दर्शाने के लिए किस चिन्ह का प्रयोग किया जाता है?
- अनुनासिक को किस चिन्ह की सहायता से दिखाया जाता है?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र अनुस्वार तथा अनुनासिक का सही प्रयोग सीख जाएंगे ।उन्हें इस बात का ज्ञान भी हो जाएगा कि नुक्ता का प्रयोग किस प्रकार होता है और उसका उच्चारण किस प्रकार किया जाता है।
- छात्रों की वर्तनी में भी सुधार होगा।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास कार्य आदि द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय वस्तु- लेखन प्रकरण – पत्र लेखन

उद्देश्य:- 1. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

2. मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

3. छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

4. पत्र लेखन की योग्यता का प्राप्त करना

5. पत्र में अपनी बात को विषयानुरूप प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विस्तार करना

पूर्व ज्ञान परीक्षण:- 1. क्या आप जानते हैं पुराने समय में सन्देश भेजने की कौन-कौन सी विविधियाँ थीं?

2. आप किसी को सन्देश (आजकल)किस प्रकार भेजते हैं ?

3. क्या आपने किसी को पत्र लिखा है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि

कार्य प्रणाली:- छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व समझाया जायेगा कि चाहे इन्टरनेट के वर्तमान युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ है, किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गों के लिए लोग पत्र व्यवहार करते हैं ।विभिन्न कार्यालयों में तो पत्र व्यवहार अति आवश्यक है । पत्र लिखते समय जिन बातों का ध्यान रखना

चाहिए ,उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी । पत्र के प्रकार बताये हुए पत्रों को दो भागों में बांटा जाने के बारे में बताया जाएगा :-

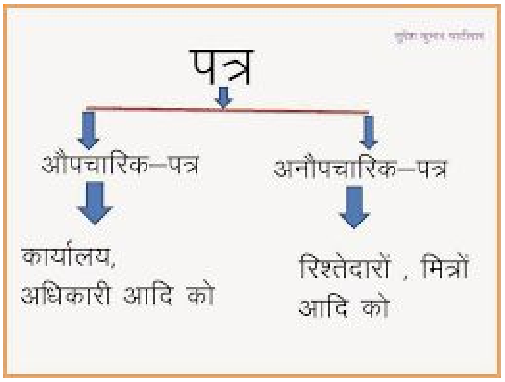

संबंध	प्रारंभ	अभिवादन	स्वनिर्देश
1. माता–पिता, शिक्षक, दादा, चाचा, अन्य बड़े	पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, आदरणीय	सादर प्रणाम, सादर नमस्ते, सादर चरण स्पर्श	आपका प्रिय पुत्र, आपका आज्ञाकारी शिष्य, स्नेहाकांक्षी आदि।
2. बराबर वालों के लिए	मित्रवर, प्रिय, मित्र, प्रिय बंधु	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा अभिन्न मित्र, तुम्हारा प्रिय मित्र
3. अपने से छोटों के लिए	प्रिय अनुज, प्रिय......	शुभाशीष, प्रसन्न रहो, चिरंजीव रहो	तुम्हारा शुभचिंतक, हितैषी, स्नेही आदि।
4. महान लोगों के लिए	आदरणीय, मान्यवर, माननीय	—	भवदीय, विनीत, प्रार्थी आदि।
5. औपचारिक पत्रों में	श्रीमान जी, महोदय, मान्यवर	—	भवदीय, आपका आदि।

छात्र सहभागिता :- छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानेंगे तथा लिखित अभ्यास द्वारा उस जानकारी को पुष्ट करेंगे ।अभ्यास- पुस्तक तथा स्मार्ट बोर्ड में दिए गाये पत्रों के उदाहरणों का अभ्यास करेंगे ।छात्र एक पत्र अपने सहपाठी को लिखेंगे जिसमें कोरोना के दौरान शिक्षा की स्थिति का वर्णन किया गया हो ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:- छात्रों को सर्वेक्षण के लिए डाकघर की विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सकते हैं ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- भाषा विस्तार के साथ-साथ सामाजिक –शास्त्र, भूगोल ,इतिहास , मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारतम्य स्थापित किया जाएगा ।

सीखने के प्रतिफल :- छात्र पत्र-लेखन के द्वारा भाषा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखेंगे , जैसे –सरलता, स्पष्टता, निश्यात्मकता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि ।

योग्यता विस्तार कार्य :-छात्रों से पत्रों के प्रारूप लिखवा कर पूछे जाएँगे जिससे उनका अभ्यास होगा --

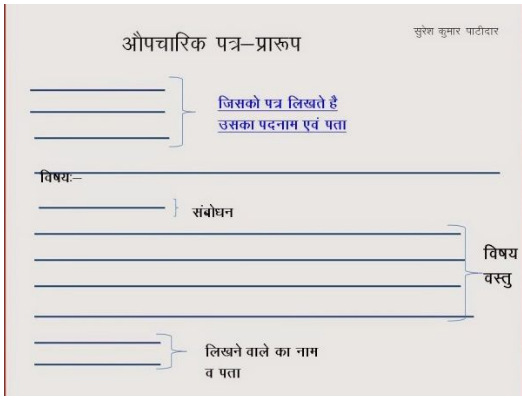

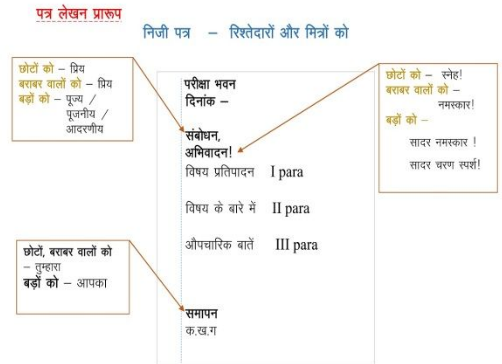

सहायक शिक्षण सामग्री:- विभिन्न प्रकार के पत्र , लिफ़ाफ़ा , अंतर्देशीय, पोस्टकार्ड अदि कक्षा में दिखाए जाएँगे

मूल्यांकन :- हिंदी व्याकरण में दिए कुछ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों को अभ्यास के लिए दिया जाएगा –जैसे

--बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें ए.टी.एम्.के अभी तक जारी ना होने की शिकायत हो

--अपनी माता जी के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए

-इकाई परीक्षा

--परियोजना कार्य

-गृह कार्य

विषय। हिंदी

उप विषय विज्ञापन

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को विज्ञापन का अर्थ समझाना।
- उन्हें विज्ञापन का महत्व बताना।
- छात्रों को अच्छा विज्ञापन बनाने के लिए जरूरी तत्वों की जानकारी देना।
- एक अच्छा और सुंदर विज्ञापन बनाना सिखाना।
- रचनात्मकता का विकास करना।
- कल्पना शक्ति का विकास करना।
- भाषाई कौशलों का विकास करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आपने कभी टीवी में कोई विज्ञापन देखा है ?
- ।अखबारों में भी क्या विज्ञापन आते हैं ?
- क्या आप जानते हैं कि हमारे जीवन में विज्ञापन का क्या महत्व है?

- क्या आप कोई ऐसा विज्ञापन बता सकते हैं जिसने आपको बहुत प्रभावित किया?
- क्या आप कभी किसी विज्ञापन से उस उत्पाद को खरीदने के लिए प्रेरित हुए हैं?
- क्या आप कोई विज्ञापन बनाना जानते हैं?

सहायक सामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, झाड़न, यूट्यूब ,कुछ अखबार, कुछ पुराने मैगजीन

पद्धति

- अभिनय करना, सुंदर विज्ञापन तैयार करना ,किसी विज्ञापन को नाटकीय रूप में प्रस्तुत करना

शिक्षण कार्य

- छात्रों को आम व्यक्ति के जीवन में विज्ञापन के महत्व को बताते हुए उन्हें एक सुंदर और रंगीन विज्ञापन बनाना सिखाया जाएगा ।उन्हें विज्ञापन के अलग-अलग तत्वों के बारे में भी बताया जाएगा। छात्रों को यह भी बताया जाएगा कि विज्ञापन कितने प्रकार के होते हैं। छात्रों को समझाया जाएगा कि विज्ञापन बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे
- विज्ञापन उपभोक्ताओं के मन :स्थिति के अनुरूप होना चाहिए होनी चाहिए।
- विज्ञापनों में चित्रों का बहुत प्रभाव होता है ।
- ।विज्ञापनों में रंगों का भी बहुत प्रभाव होता है ।
- विज्ञापनों में रुचि तथा ध्यान आकर्षित करने के गुण होने चाहिए।

छात्रों को कुछ उदाहरण देते हुए एक अच्छे विज्ञापन को बनाने के गुण बता कर विज्ञापन बनाने के लिए कहा जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- विज्ञान से संबंधित उत्पादोंके विज्ञापन बनवा कर छात्रों को विज्ञान के साथ जोड़ा जाएगा।
- विज्ञापन कला को सीखते हुए छात्र अर्थशास्त्र का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।
- चित्र बनाकर और रंगों आदि का प्रयोग करके छात्र चित्रकला से भी जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र अपनी पसंद के कुछ विषयों पर विज्ञापन बनाएंगे।
- किसी पदार्थ अथवा किसी अन्य विज्ञापन को नाटक के रूप में भी प्रस्तुत करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को चित्र सहित विज्ञापन बनाने के लिए कहा जाएगा।
- अभिनय करना

पुनरावृति

- आप जानते हैं कि विज्ञापन को बनाते समय किक्या न किन बातों का ध्यान रखना पड़ता **है**?
- क्या आप एक अच्छा विज्ञापन बना सकते हैं?
- विज्ञापन कितने प्रकार के होते हैं?
- क्या चित्र विज्ञापन को आकर्षित बनाते हैं?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र आज के युग में विज्ञापन के महत्व को समझ जाएंगे और एक अच्छा विज्ञापन बनाना भी सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

निम्नलिखित सभी तरीकों को अपनाते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

- अभ्यास कार्य
- इकाई परीक्षा
- गृह कार्य

विषय हिंदी

उप विषय सूचना लेखन

शिक्षण उद्देश्य

- भाषाई कौशलों का विकास करना।
- विद्यार्थियों की शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
- छात्रों को सूचना लिखने के उद्देश्य बताना।
- छात्रों को सूचना लिखने का सही ढंग बताना।
- व्याकरण के नियमों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी भाषा के अध्ययन में रुचि पैदा करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप सूचना शब्द का अर्थ समझते हैं?
- क्या आप अपनी अपने स्कूल में सूचना पट पर स्कूल या प्रधानाचार्य की तरफ से लिखी हुई सूचना पड़ी है?
- क्या आप सूचना लिखने का सही ढंग जानते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि सूचना लिखने के क्या-क्या उद्देश्य हो सकते हैं?
- क्या आपने कभी अखबार या मैगजीन आदि में या किसी दफ्तर के बाहर सूचना पट पर लिखी हुई सूचना पड़ी है?

सहायक सामग्री

- श्यामपट्ट, चौक, झाड़न,कंप्यूटर ,प्रोजेक्टर पुरानी ,अखबार पुराने सूचना पत्र, यूट्यूब ,गूगल आदि।

पद्धति

- 'करो और सीखो' पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्रों को सूचना लिखना सिखाया जाएगा।

शिक्षण कार्य

विभिन्न साधनों का प्रयोग करते हुए छात्रों को बताया जाएगा कि **सूचना -लेखन का तात्पर्य है --किसी विशेष सूचना को सार्वजनिक करना।** यह औपचारिक शैली में लिखी संक्षिप्त जानकारी होती है। यह आम व्यक्तियों तथा संगठनों द्वारा उपयोग में लाई जाती है। इसका प्रयोग जन्म तथा मृत्यु की घोषणा करने ,घटनाओं जैसे --उद्घाटन व सेल ,सरकारी आदेशों की जानकारी देने, किसी विशेष अवसर के लिए आमंत्रण देने ,किसी कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त करने या कर्मचारी द्वारा नौकरी छोड़ने की सूचना देने के लिए किया जाता है ।इन सूचना पत्रों को एक खास बोर्ड पर लगाया जाता है किसी भी स्कूल या संगठनों में खास जगह पर यह बोर्ड लगाए जाते हैं ।जबकि सरकारी विभागों द्वारा जारी सूचना भिन्न -भिन्न पसमाचार पत्रों में भी छापी जाती है।छात्रों को समझाया जाएगा कि एक अच्छी सूचना के लिए कुछ बिंदुओं का ध्यान रखना आवश्यक होता है जैसे-

- जिस संस्था ,स्कूल या ऑफिस द्वारा इसे जारी किया जा रहा है- उसका नाम।
- जिस दिनांक को इसे जारी किया जा रहा है।
- सही शीर्षक जो सूचना को स्पष्ट करें
- एक आकर्षित करने वाला नारा या स्लोगन
- सूचना लिखने का उद्देश्य जैसे -मीटिंग ,किसी ओर ध्यान आकर्षित करने, आम जनता को, सामान्य जानकारी आदि
- शमी का सही और पूरा विवरण -दिनांक ,समय ,स्थान ,प्रोग्राम, कितने बजे से कितने बजे तक

छात्रों को समझाया जाएगा कि इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप एक अच्छी सूचना लिख सकते हैं।छात्रों को सूचना का सही प्रारूप बताकर नमूने के तौर पर कुछ सूचनाएं लिखने के लिए कहा जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- अंग्रेजी में नोटिस राइटिंग के बारे में बताते हुए छात्रों को अंग्रेजी विषय से भी जोड़ा जाएगा।सामाजिक विषयों से संबंधित सूचनाएँ लिखने के लिए कहकर छात्रों को सामाजिक शिक्षा से भी जोड़ा जाएगा।

छात्र सहभागिता

- छात्र कक्षा में पढ़ाई के विषय को अच्छी तरह ग्रहण करेंगे। अभ्यास कार्य करते हुए सूचना लेखन को अच्छी तरह सीखेंगे।अपनी कल्पना शक्ति और रचनात्मकता का विकास करेंगे। विषय से संबंधित गतिविधि को रुचिकर ढंग से करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- उप विषय को अच्छी तरह से समझाने के लिए एक गतिविधि का सहारा लिया जाएगा।

- छात्रों को अपने आप को प्रधानाचार्य, किसी सभा के अध्यक्ष, हेड बॉय, हेड गर्ल, विद्यार्थियों के प्रतिनिधि आदि के रूप में अभिनय करते हुए एक सूचना तैयार करने के लिए कहा जाएगा।

पुनरावृति

- क्या आप सूचना लेखन का अर्थ समझ गए हैं?
- क्या आप एक अच्छा सूचना लेखन कर सकते हैं।
- क्या आप विभिन्न सूचनाओं को लिखने क्या उद्देश्य जानते हैं?
- सूचना लेखन में किन किन बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए?
- एक सूचना में क्या-क्या चीजें स्पष्ट होनी चाहिए?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र सूचना तैयार करना सीख जाएंगे।
- छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- छात्रों की रचनात्मकता और कल्पना शक्ति का विकास होगा।
- छात्र सूचना लिखने की कला में समर्थ हो चुके हैं।

मूल्यांकन

निम्नलिखित सभी विधियों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा

- अभ्यास पत्रिका
- इकाई परीक्षा
- पाप के अंत में दिया गया अभ्यास कार्य।
- अलग-अलग विषयों पर सूचना लेखन।

विषय हिंदी

उक्त विषय। अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्य

- **छात्रों की रचनात्मक शक्ति का विकास करना।**
- **छात्रों को अनुच्छेद लिखते समय महत्वपूर्ण बातों की जानकारी देना।**
- **छात्रों को अलग-अलग तरह के और अलग-अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखना सिखाना।**
- **शब्द ज्ञान में वृद्धि करना।**
- **कल्पना शक्ति का विकास करना।**
- **वर्तनी और वाक्य संबंधी त्रुटियों को दूर करना।**
- **भाषाई कौशलों का विकास करना।**

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- **'अनुच्छेद 'शब्द का अर्थ क्या होता है?**
- **अनुच्छेद और निबंध में क्या अंतर होता है?**
- **अनुच्छेद लेखन में संकेत बिंदुओं का क्या महत्व होता है?**
- **क्या आपने कभी पहले कोई अनुच्छेद लिखा है?**

सहायक सामग्री

- **व्याकरण पुस्तिका ,श्यामपट्ट ,चौक, झाड़न**

पद्धति

,'करो और सीखो 'पद्धति द्वारा छात्रों को अलग-अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

शिक्षण कार्य

छात्रों को समझाया जाएगा कि अनुच्छेद निबंध से भिन्न होता है ।इसे लिखते समय भूमिका बांधने और निष्कर्ष देने की आवश्यकता नहीं होती। दिए गए विषय को केंद्र में रखकर पूरे अनुच्छेद में उसी का विस्तार किया जाता है अतः यह ध्यान रखना चाहिए कि अनुच्छेद में अनावश्यक प्रसंग ना हो, सभी वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए और स्वाभाविक रूप से कथ्य का क्रमिक विकास करते हुए दिखाई देने चाहिए ।अनुच्छेद में स्पष्टता और सजगता लाने के लिए संगती एवं एकाग्रता आवश्यक है ।सीमित आकार होने के कारण अनुच्छेद लेखन मेंअनावश्यक विस्तार नहीं करना चाहिए।

अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

- अनुच्छेद का आकार सीमित हो।(लगभग 80 से 100 शब्द)
- एक केंद्रीय भाव या विचार का क्रमिक विस्तार है।
- अलंकारिकता तथा अनावश्यक शब्द प्रयोग ना हो।
- भाषा में विषय के अनुरूप सहजता तथा प्रवाह हो।

अनुच्छेदों को मुख्य रूप से चार भागों में विभक्त किया जा सकता है--

- विचार प्रधान अनुच्छेद
- वर्णन प्रधान अनुच्छेद
- भाव प्रधान अनुच्छेद
- कल्पना पर आधारित अनुच्छेद

छात्रों को अलग-अलग विषय देखकर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

छात्र सहभागिता

- छात्र कुछ अध्यापिका द्वारा दिए गए और कुछ अपनी मनपसंद के विषयों पर पहले मौखिक रूप में अपने विचार कक्षा में प्रकट करेंगे उसके बाद विचारों को एक अनुच्छेद के रूप में लिखने का प्रयास करेंगे।
- छात्र अभ्यास के लिए दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखने का प्रयास करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- कक्षा में कुछ विषयों को लेकर चर्चा की जाएगी उसके बाद छात्र उसी चर्चा को एक अनुच्छेद का रूप देंगे।
- जैसे -त्योहारों का जीवन में महत्व, नर हो ना निराश करो मन को, समाज सेवा, मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना आदि।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- विज्ञान से जुड़े हुए अनुच्छेद लेखन से छात्र विज्ञान के साथ जुड़ेंगे।
- राष्ट्रीय एकता ,राष्ट्रध्वज, आदि जैसे विषयों पर अनुच्छेद लिखकर वे नागरिक शास्त्र से जुड़ेंगे।
- प्रकृति से जुड़े हुए विषयों पर अनुच्छेद लेखन से छात्र पर्यावरण शिक्षा के साथ जुड़ जाएंगे।

पुनरावृत्ति

- अनुच्छेद की भाषा कैसी होनी चाहिए?
- क्या अनुच्छेद में मुहावरों तथा लोकोक्तियां का प्रयोग करना सही है?
- क्या अनुच्छेद लेखन की कोई शब्द सीमा होती है?
- अनुच्छेद अधिक से अधिक कितने शब्दों में लिखा जा सकता है?

मूल्यांकन

- कुछ विषय देकर छात्रों को अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा।

- **कक्षा परीक्षा के दौरान किसी भी विषय पर अनुच्छेद लिखवाया जाएगा।**
- **अभ्यास कार्य**

उपर्युक्त सभी विधियों का सहारा लेते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय-हिंदी प्रकरण – मुहावरे

शिक्षण उद्देश्य :-*

- मुहावरों के अर्थ से छात्रों को परिचित कराना
- उनके अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग को समझाना
- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना
- मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना
- छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

सहायक सामग्री :-

- श्यामपट्ट , चाक, झाड़न , फ्लैश कार्ड , स्मार्ट बोर्ड, व्याकरण पुस्तक

पूर्व ज्ञान परीक्षा :-

- क्या आप जानते हैं मुहावरा क्या होता है?
- क्या आपने कभी कोई मुहावरा सुना है?
- भाषा में मुहावरों का क्या महत्त्व होता है?

शिक्षण विधि :-

- छात्रों को समझाया जायेगा की मुहावरा अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है' अभ्यास '। मुहावरों में शाब्दिक अर्थ महत्वपूर्ण नहीं होता अपितु लाक्षणिक या व्यंग्यार्थ मुख्य होता है '। मुहावरा एक वाक्यांश होता है तथा इसमें काल ,वचन तथा पुरुष के अनुरूप परिवर्तन होता है '। उनकी व्याकरण पुस्तक के माध्यम से कुछ उदाहरण पढ़े जायेंगे तथा उनके अर्थ और वाक्य प्रयोग समझाए जाएँगे '।

सह शैक्षिक गतिविधि :-

- छात्रों को कुछ फ्लैश कार्ड दिखाए जाएंगे जिसमे बने चित्रों को देख कर वे मुहावरा पहचानेंगे '। इस विधि के माध्यम से उन्हें मुहावरे तथा उनके अर्थ ग्रहण में सहायता होगी '।

आस्तीन का साँप | कमर कसना | हाथ–पाँव फूलना | नौ–दो ग्यारह होना | नाक काटना | हवा से बातें करना

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :

- - छात्र अभिनय कला तथा सामाजिक शिक्षा के साथ-साथ कला के क्षेत्र से जुड़ेंगे तथा मुहावरों को आत्मसात करेंगे '।

छात्र सहभागिता :-

- छात्र मुहावरे का अर्थ समझते हुए इसके भाषायी महत्त्व को जानेंगे '।अपनी पाठ्य पुस्तक के पाठों में से मुहावरे छांट कर उनके अर्थ ढूँढने का प्रयास करेंगे '। दिए गाये परियोजना कार्य को करेंगे ।

सीखने के प्रतिफल :-

- छात्र व्यव्हारिक जीवन में मुहावरों के महत्त्व को जानेंगे '।
- भाषा को मुहावरों के प्रयोग द्वारा आकर्षित बनाना सीखेंगे ।
- रचनात्मक कला का विकास होगा '।
- अभिनय कला तथा चित्र कला में विकास होगा '।

पुनरावृत्ति :- * मुहावरे का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

- मुहावरों का प्रयोग भाषा में क्यों किया जाता है ?
- अभ्यास प्रश्नों द्वारा पुनरावृत्ति करवाई जाएगी

अभ्यास-प्रश्न

नीचे दिए गए मुहावरों के चार-चार अर्थ दिए गए हैं। उनमें सही अर्थवाला विकल्प छाँटकर उसे उत्तर के रूप में लिखिए–

(*i*) श्री गणेश करना

(क) पूजा करना (ख) धार्मिक यात्रा पर जाना

(ग) काम आरंभ करना (घ) काम समाप्त करना

(*ii*) घर बसाना

(क) नया घर बनाना (ख) विवाह करना

(ग) नए घर में रहने जाना (घ) सबसे अलग रहना

(*iii*) अपने पैर पर खड़ा होना

(क) साहसपूर्ण कार्य करना (ख) बीमारी से मुक्ति पाना

(ग) स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार होना (घ) स्वावलंबी बनना

(*iv*) मुट्ठी गरम करना

(क) सर्दी भगाना (ख) अलाव जलाना

(ग) रिश्वत देना (घ) रिश्वत लेना

(*v*) कागज काला करना

(क) व्यर्थ में लिखना (ख) बिना रंगों का चित्र बनाना

(ग) कुछ नया सीखने का प्रयास करना (घ) बेकार का काम करना।

1. मुहावरा क्या है? इसकी क्या विशेषता है?
2. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें–
   अपना उल्लू सीधा करना, नाक में दम करना, पेट में चूहे कूदना, कुआँ खोदना, तीन-तेरह होना, गर्दन पर चढ़ना।
3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही मुहावरों का प्रयोग करें–
   (क) मोहन माता-पिता के बुढ़ापे का सहारा है।
   (ख) झगड़े में मदन की पोल खुल गई।
   (ग) राम और श्याम की गहरी दोस्ती है।
   (घ) उसकी बातें सुनकर मेरा क्रोध बढ़ गया।
   (ङ) उसने इशारा कर के मुझे बुलाया।

मूल्यांकन :-व्याकरण पुस्तिका के अभ्यास कार्य में दिए प्रश्नों को हल करेंगे तथा कार्य पुस्तिका को भी करेंगे

तिथि :

दिन :

मुहावरे

नीचे दिए अर्थों के लिए उचित मुहावरे लिखो -

1. तंग करना
2. हँसना
3. नींद आ जाना
4. मना करना
5. बहुत भूख लगना
6. सहायता करना

तिथि : ____________

दिन : ____________

मुहावरे

नीचे लिखे मुहावरों को सही अर्थ से जोड़ो -

मुहावरे	अर्थ
आँखे भर आना	तंग करना
दंग रह जाना	प्रशंसा करना
अँगूठा दिखाना	आँख में आँसू आना
गुणगान करना	हैरान होना
नाक में दम करना	मना करना